बच्चन जी की आत्मकथा में स्वतंत्रता संग्राम की झलक

डॉ. देवी प्रकाश त्रिपाठी

कवि, लेखक, पत्रकार एवं षिक्षक डॉ. हरिवंष राय बच्चन जी का जन्म 27 नवम्बर 1907 ई0 को इलाहाबाद (उ.प्र.) में उस समय हुआ जिस समय देष में स्वतंत्रता के लिए हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने दोनों विधा अपना ली थी – नरम एवं गरम। इसी समय कांग्रेस के 1907 ई0 के सूरत अधिवेषन में दोनों दल अंग्रेजों के सामने आए थे। बच्चन जी के पिता जी के पिता जी, की पुत्री राधा जो 95 वर्ष की अवस्था पूरी कर मृत्यु को प्राप्त हुयी थीं। उनसे डॉ.बच्चन जी ने बहुत कुछ सुना, समझा, देखा एवं सीखा था। विभिन्न राष्ट्रीय नेताओं के भाषणों को या तो सुना था या पढ़ा था अथवा पायनियर के रिपोर्टर होने के कारण उनसे मुलाकात की थी।